Paper - VI

Part - III



Q. नगरो का स्थानात्मक वर्गीकरण का व्याख्या कीजिए?

→ भारत गाँवो का देश है। और भारत की आत्मा गाँव मे ही बसती है। ऐसा विद्वानो का कथन है। लेकिन भारत ही नही संसार के अन्य देशो मे भी नगरो का विकास प्राचीन काल से होता आ रहा है। नगरो का विकास कही तो कार्य स्थल पर और कही उपलब्ध सुविधाओ के अनुसार बसती गयी जहाँ पानी की सुविधा मिली वहाँ नदी के किनारे और झील के किनारे बस गयी इसे नदी तटीय या झील तटीय नगर नाम दिया गया है। जो स्थिति के अनुसार बसी है कही-2 कार्य करने के लिए लोग गये और वहा पर सुविधा के अनुसार बस गये जैसे - भारत की राजधानी दिल्ली है वहाँ पर संसद भवन और राष्ट्रपति भवन है। इस तरह दिल्ली राजनैतिक नगर के रूप मे बस गया

इस तरह हम पाते है कि अध्ययन की सुविधा के लिए नगर का वर्गीकरण स्थिती के अनुसार नगर और दुसरा कार्यात्मक नगर विभक्त करने में कोई आपत्ति नही है। जहाँ तक सवाल स्थिति के विचार से नगरो का वर्गीकरण निम्न रूपो मे किया जा सकता है।

1. नदी तटीय नगर :→ प्राचीन काल मे ही नही बल्कि आज भी जल मनुष्य के अनिवार्य आवश्यकता है जहाँ पर जल सुविधा से मिल जाती थी वहा पर मानव बसने लगता था और कलांतर में नगर का रूप लेता चला गया जैसे गंगा के तट पर हरिद्वार, कानपुर, इलाहाबाद, पटना वाराणसी, हावड़ा आदि है यमुना नदी पर स्थित देहली और आगरा है। शकी पर लोहार, नर्मदा पर जबलपुर, कृष्णा पर कर्नूल और विजयवाड़ा वेगाई पर मदुराई, टेमस पर लंदन, यांग्टीसि पर नानकीन और मिसिसीपि पर सेंटपाल नगर है।

झील तटीय नगर :→ झील के किनारे की नगर बसने

कारवश्य कारण जल की प्राप्ति है। बल्कि झील के प

खारे और मीठे भी होते हैं। मीठे झील के तटीय भागों में जो नगर बस गए जैसे झील तटीय नगर कहते जैसे: झीलों पर स्थित नगर डेट्रायट, क्लीवलैंड आदि हैं।

बंदरगाह :→ प्राचीन काल में जल यातायात का प्रमुख साधन था जल यातायात के द्वारा ही लोग एक दूसरे देशों से व्यापार करते थे इसलिए समुद्र किनारे जहाँ पर समान लादते थे और उतारते थे उसी बंदरगाह पर नगर बसता गया और आज महानगर का रूप धारण कर लिया जैसे:- टोकियो, लंदन, न्यूयॉर्क, बम्बई, कलकत्ता, संघाई आदि बंदरगाह हैं।

मैदानी नगर :→ मैदानी में कृषि कार्य की सुविधा है। इसलिए खाने पीने की भी कमी नहीं है। जिसके कारण मैदान में जनसंख्या बढ़ती गयी और नगर का रूप लेता गया जैसे मास्को, पिट्सबर्ग, शिकागो, टेक्सास, इरकुटस्क, ताशकंद, जयपुर, लुधियाना, मेरठ, अलीगढ़ आदि।

पठारी नगर :→ पठारी भागों में अनेक प्रकार की खनिज पदार्थ मिलते हैं। उसी खनिज से आकर्षित होकर लोग काम के लिए वहाँ पर बसने लगे और भविष्य में नगर का रूप लेता गया जैसे: ~~[illegible]~~ बंगलौर, पुणे, हैदराबाद, कोयम्बटूर आदि।

पर्वत पाद नगर :→ कुछ नगर पर्वत के तलहटियों में बस गये हैं। जो आज पर्यटक को गर्मी के दिनों में काफी लुभाता है। और लोग सर्वत्र से वहाँ पर पर्यटन के लिए आते हैं। जैसे - एटलांटा, ग्रीनविले, चार्ल्सटन आदि अपलेशियन के पाद प्रदेश में हैं। काठगोदाम(?), देहरादून, चंडीगढ़, सहारनपुर, सिलीगुड़ी आदि हिमालय पाद प्रदेश में हैं।

प्रपात नगर :→ विश्व के कुछ ऐसे नगर हैं जो किसी झरने या प्रपात के निकट बस गये हैं। जैसे U.S.A में

नेवार्क, ट्रेंटन, फिलाडेल्फिया, वाशिंगटन, रिचमोंड और कोलम्बिया, युगास्टा, मैकन, कोलोम्बस आदि है। अटलांटिक महासागर के तटीय मैदान में उसर समय अपने मार्ग में नदियां प्रपात बनाती है जहाँ विद्युत उत्पन्न होता है और वहाँ नगर बस गये है।

मरूउद्यान नगर :→ मरुभूमि में वर्षा नही होती है। और जहाँ पर कुछ वर्षा होती है पानी जमा हो जाता है। कुछ कृषि कार्य किये जाते है। फल और फसल कि खेती की जाती है। उसे मरूउद्यान कहते है। वहाँ पर नगर बस जाते है। उसे मरूउद्यान नगर कहते है। अफ्रीका में सेमा, बजोमा, जेनी, अवारस आदि नगर मरूउद्यानों के कारण स्थित है।

पर्वतीय नगर :→ स्वास्थ्य वर्धक जलवायु प्राकृतिक दृश्य, कम गर्मी, के कारण तथा प्रशासनिक कारणों से पर्वतो पर सड़कों के द्वारा परिवहन के सुविधा के कारण बस गए है। हिमालय में श्रीनगर, नैनीताल, शिमला आदि शहर प्रशासनिक नगर है इसके अलावे पर्यटन केन्द्र भी है। जैसे:- नैनीताल, दार्जिलिंग, आल्पस में ज्यूरिच, बर्न, जनेवा, ल्यूजेन, आदि नगर है।

स्थिती के अनुसार नगर का वर्गीकरण उचित एवं सार्थक है। भविष्य में ये नगर विकास की दिशा में अग्रसर है। और अग्रसर रहेगा।

The End

Scanned by TapScanner